पन्ना,भोपाल एवं छतरपुर से प्रकाशित हिंदी दैनिक 📉 🔳



त के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला,

नौगांव- छतरपुर। रविवार की दोपहर नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड की घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला, पुलिस को भरी भीड़ में गालियां दी गईं और दो दिनों तक चक्का जाम चलता रहा–वह नौगांव के इतिहास में पहली

15 मिनट की चिंगारी बनी बवाल की आग- सारी घटना की शुरुआत एक बेहद सामान्य विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, बोरी रखने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई। मारपीट हुई, पीड़ित पक्ष अपने घर चला गया। लेकिन 15 मिनट बाद कई लोग इकट्ठा होकर सीधे आरोपी के घर जा पहुंचे। वहां गाली-गलौज हुई और फिर चली गोली।जिस गोली ने एक युवक की जान ले ली, वही सवाल बन गई–क्या यह टल नहीं सकता था?

ना कानून के जानकार ने रोका, ना पीड़ित पक्ष ने सूचना दी-- मुख्य आरोपी पेशे से वकील है, कानून का जानकार है। लेकिन जब झगड़ा शुरू हुआ, तब न तो उसने पुलिस को सूचना दी और न ही मदद मांगी। दूसरों ओर, पीड़ित पक्ष अगर सीधा थाने पहुंच जाता, तो शायद जान बच सकती थी। इस लॉपरवाही की कीमत एक परिवार ने बेटे की मौत और दूसरे ने जेल की सलाखों से चुकाई।

भीड़ का आऋोश और जातीय जहर-रविवार और सोमवार, दोनों दिन लोगों का गुस्सा सड़कों पर उतरा। चक्का जाम, प्रदर्शन, नारेबाजी-

भीड़ में खुलेआम जातिसूचक गालियां दी गईं, सोशल मीड़िया पर जहर उगला गया। पुलिस

यह नौगांव ने पहले कभी नहीं देखा था। प्रशासन ने दिखाई सूझबूझ, मुख्य आरोपी ने किया सरेंडर- वहीं दूसरी ओर, प्रशासन और पुलिस ने बिना लाठी चलाए, बिना आंसू गैस छोड़े, शांति बनाए रखी। पीड़ित पक्ष को भरोसा दिलाया गया कि आरोपी शीघ्र पकड़े जाएंगे। तीन टीमें बनाई गईं और इसका नतीजा यह हुआ कि मंगलवार देर रात मुख्य आरोपी प्रवीण पटेरिया ने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। और शासन की तरफ से आर्थिक राशि भी प्रदान की गई हालांकि अभी दो अन्य आरोपी फरार हैं।बुधवार को पुलिस ने आरोपी को लेकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। केस में तेजी आई और अब पुलिस हर पहलू की गहराई से जांच कर रही है।

अब पुलिस का फोकस - भड़काऊ पोस्ट, गालीबाज और भीड़ में छिपे 'साजिशकर्ता

'सुत्रों के मुताबिक, घटना के बाद राहल गांधी का ट्वीट सामने आते ही भोपाल से लेकर छतरपुर तक इंटेलिजेंस हरकत में आ गया। अब पुलिस की नजर सोशल मीडिया पोस्ट्स पर है— किसने क्या लिखा, किसने वीडियो वायरल किया, किसने गालियां दीं और किसने माहौल बिगाड़ा।जो भी अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से इस घटना को भड़काने में शामिल पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई तय है।पुलिस अब फंटफुट पर है।

समाज के संगठनों ने भी जताया विरोध-इस पूरे मामले में समाज विशेष के संगठन भी उस समय सामने आये जब चक्का जाम के दौरान पूरे समाज को गाली दी गई दोनों पक्षों के अपने तर्क भी देखने को मिलें कहा कि यह आत्मरक्षा में हुआ। वहीं दूसरी ओर, जातिसूचक गालियों और समाज को बदनाम करने के विरोध में भी ज्ञापन

नौगांव- छतरपुर। रविवार की दोपहर नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड की घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला, पुलिस को भरी भीड़ में गालियां दी गईं और दो दिनों तक चक्का जाम चलता रहा–वह नौगांव के इतिहास में पहली

15 मिनट की चिंगारी बनी बवाल की आग- सारी घटना की शुरुआत एक बेहद सामान्य विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, बोरी रखने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई। मारपीट हुई, पीड़ित पक्ष अपने घर चला गया। लेकिन 15 मिनट बाद कई लोग इकट्ठा होकर सीधे आरोपी के घर जा पहुंचे। वहां गाली-गलौज हुई और फिर चली गोली।जिस गोली ने एक युवक की जान ले ली, वही सवाल बन गई–क्या यह टल नहीं सकता था?

ना कानून के जानकार ने रोका, ना पीड़ित पक्ष ने सूचना दी-- मुख्य आरोपी पेशे से वकील है, कानून का जानकार है। लेकिन जब झगड़ा शुरू हुआ, तब न तो उसने पुलिस को सूचना दी और न ही मदद मांगी। दूसरी ओर, पीड़ित पक्ष अगर सीधा थाने पहुंच जाता, तो शायद जान बच सकती थी। इस लापरवाही की कीमत एक परिवार ने बेटे की मौत और दूसरे ने जेल की सलाखों से चुकाई।

भीड़ का आऋोश और जातीय जहर-रविवार और सोमवार, दोनों दिन लोगों का गुस्सा सड़कों पर उतरा। चक्का जाम, प्रदर्शन, नारेबाजी–

भीड़ में खुलेआम जातिसूचक गालियां दी गईं, सोशल मीडिया पर जहर उगला गया। पुलिस

को अपशब्द कहे गए। यह नौगांव ने पहले कभी नहीं देखा था। उतरा। चक्का जाम, प्रदर्शन, नारेब उतरा। चक्का जाम, प्रदर्शन, नारेब

जातिवाद, गालियां, चक्का जाम और

नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड की घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला, पुलिस को भरी भीड़ में गालियां दी गईं और दो दिनों तक चक्का जाम चलता रहा–वह नौगांव के इतिहास में पहली बार हुआ।

15 मिनट की चिंगारी बनी बवाल की आग- सारी घटना की शुरुआत एक बेहद सामान्य विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, बोरी रखने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई। मारपीट हुई, पीडित पक्ष अपने घर चला गया। लेकिन 15 मिनट बाद कई लोग इकट्ठा होकर सीधे आरोपी के घर जा पहुंचे। वहां गाली-गलौज हुई और फिर चली गोली।जिस गोली ने एक युवक की जान ले ली, वही सवाल बन गई—क्या यह टल नहीं सकता था?

ना कानून के जानकार ने रोका, ना पीडित

अब पुलिस का फोकस -भड़काऊ पोस्ट, गालीबा

पक्ष ने सूचना दी-- मुख्य आरोपी पेशे से वकील है, कानन का जानकार है। लेकिन जब झगड़ा शुरू हुआ, तब न तो उसने पुलिस को सूचना दी और न ही मदद मांगी। दूसरी ओर, पीड़ित पक्ष अगर सीधा थाने पहुंच जाता, तो शायद जान बच सकती थी। इस लापरवाही की कीमत एक परिवार ने बेटे की मौत और दूसरे ने

भीड़ का आऋोश और जातीय जहर-रविवार और सोमवार, दोनों दिन लोगों का गुस्सा सड़कों पर उतरा। चक्का जाम, प्रदर्शन, नारेबाजी–यह सब होता रहा।

भीड़ में खुलेआम जातिसूचक गालियां दी गईं, सोशल मीडिया पर जहर उगला गया। पुलिस को अपशब्द कहे गए।

यह नौगांव ने पहले कभी नहीं देखा था। प्रशासन ने दिखाई सूझबूझ, मुख्य आरोपी ने किया सरेंडर- वहीं दूसरी ओर, प्रशासन और

पुलिस ने बिना लाठी चलाए, बिना आंसू गैस छोडे, शांति बनाए रखी। पीडित पक्ष को भरोसा दिलाया गया कि आरोपी शीघ्र पकड़े जाएंगे। तीन टीमें बनाई गईं और इसका नतीजा यह हुआ कि मंगलवार देर रात मुख्य आरोपी प्रवीण पटेरिया ने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। और शासन की तरफ से आर्थिक राशि भी प्रदान की गई । हालांकि अभी दो अन्य आरोपी



बोलती तथावी२

दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात

नौगांव- छतरपुर। रविवार की दोपहर नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गाँव में हुई गोलीकांड की घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला, पुलिस को भरी भीड़ में गालियां दी गईं और दो दिनों तक चक्का जाम चलता रहा–वह नौगांव के इतिहास में पहली

15 मिनट की चिंगारी बनी बवाल की आग- सारी घटना की शुरुआत एक बेहद सामान्य विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, बोरी रखने को लेकर दो पक्षों मे कहासुनी हुई। मारपीट हुई, पीड़ित पक्ष अपने घर चला गया। लेकिन 15 मिनट बाद कई लोग इकट्ठा होकर सीधे आरोपी के घर जा पहुंचे। वहां गाली-गलौज हुई और फिर चली गोली।जिस गोली ने एक युवक की जान ले ली, वही सवाल बन गई–क्या यह टल नहीं सकता था?

ना कानून के जानकार ने रोका, ना पीड़ित पक्ष ने सूचना दी-- मुख्य आरोपी पेशे से वकील है, कानून का जानकार है। लेकिन जब झगड़ा शुरू हुआ, तब न तो उसने पुलिस को सूचना दी और न ही मदद मांगी। दूसरी ओर, पीड़ित पक्ष अगर सीधा थाने पहुंच जाता, तो शायद जान बच सकती थी। इस लापरवाही की कीमत एक

जातिवाद, गालियां, चक्का जाम और अब जांच के घेरे में

दो टूक दो टूक दो टूक दो टूक दो टूक

नौगांव- छतरपुर। रविवार की दोपहर नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड की घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला, पुलिस को भरी भीड़ में गालियां दी गईं और दो दिनों तक चक्का जाम चलता रहा-वह नौगांव के इतिहास में पहली बार हुआ। 15 मिनट की चिंगारी बनी

बवाल की आग- सारी घटना की शुरुआत एक बेहद सामान्य विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, बोरी रखने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई। मारपीट हुई, पीड़ित पक्ष अपने घर चला गया। लेकिन 15 मिनट बाद कई लोग इकट्ठा होकर सीधे आरोपी के घर जा पहुंचे। वहां गाली-गलौज हुई और फिर चली गोली।जिस गोली ने एक युवक की जान ले ली, वही सवाल बन गई–क्या यह टल नहीं सकता

ना कानून के जानकार ने सोमवार, दोनों दिन लोगों का



जाम, प्रदर्शन, नारेबाजी-यह

में

जातिसूचक गालियां दी गईं,

सोशल मीडिया पर जहर उगला

गया। पुलिस को अपशब्द कहे

सूझबूझ, मुख्य आरोपी ने किया

सरेंडर- वहीं दूसरी ओर,

प्रशासन और पुलिस ने बिना

लाठी चलाए, बिना आंसू गैस

यह नौगांव ने पहले कभी

रोका, ना पीड़ित पक्ष ने सूचना दी-- मुख्य आरोपी पेशे से वकील है, कानून का जानकार है। लेकिन जब झगड़ा शुरू हुआ, तब न तो उसने पुलिस को सूचना दी और न ही मदद मांगी। दूसरी ओर, पीड़ित पक्ष अगर सीधा थाने पहुंच जाता, तो शायद जान बच सकती थी। इस लापरवाही की कीमत एक परिवार ने बेटे की मौत और दूसरे ने जेल की सलाखों से चुकाई।

भीड़ का आऋोश और जातीय जहर- रविवार और

पक्ष को भरोसा दिलाया गया कि आरोपी शीघ्र पकड़े जाएंगे। तीन टीमें बनाई गईं और इसका नतीजा यह हुआ कि मंगलवार देर रात मुख्य आरोपी प्रवीण पटेरिया ने पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया। और शासन की तरफ से आर्थिक राशि भी प्रदान की गई । हालांकि अभी दो अन्य आरोपी फरार हैं।बुधवार को पुलिस ने आरोपी को लेकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। केस में तेजी आई और अब पुलिस हर पहलू की गहराई से जांच कर रही है।

छोड़े, शांति बनाए रखी। पीड़ित

'सूत्रों के मुताबिक, घटना के बाद राहुल गांधी का ट्वीट सामने आते ही भोपाल से

लेकर छतरपुर तक इंटेलिजेंस हरकत में

आ गया। अब पुलिस की नजर सोशल

मीडिया पोस्ट्स पर है-किसने क्या लिखा,

अब पुलिस का फोकस -भड़काऊ पोस्ट, गालीबाज और भीड़ में छिपे 'साजिशकर्ता

'सूत्रों के मुताबिक, घटना के बाद राहल गांधी का ट्वीट सामने आते ही भोपाल से लेकर व्यतरपर तक इंटेलिजेंस हरकत में आ गया। अब पुलिस की नजर सोशल मीडिया पोस्ट्स पर है–किसने क्या लिखा, किसने वीडियो वायरल किया, किसने गालियां दीं और किसने माहौल



नौगांव- छतरपुर। रविवार की दोपहर नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड की घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला. पलिस को भरी भीड में गालियां दी गईं और दो दिनों तक चक्का जाम चलता रहा-वह नौगांव के इतिहास में

15 मिनट की चिंगारी बनी बवाल की आग- सारी घटना की शुरुआत एक बेहद सामान्य विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, बोरी रखने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई।



मारपीट हुई, पीड़ित पक्ष अपने घर चला गया। लेकिन 15 मिनट बाद घर जा पहुंचे। वहां गाली-गलौज हुई और फिर चली गोली।जिस गोली ने एक युवक की जान ले ली, वही सवाल बन गई-क्या यह टल नहीं सकताथा?

नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड नौगांव- छतरपुर। रविवार की

दोपहर नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड की घटना ने पुरे जिले को हिलाकर रख दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला, पुलिस को भरी भीड़ में गालियां दी गईं और दो दिनों तक चक्का जाम चलता रहा—वह नौगांव के इतिहास में पहली बार हुआ।

15 मिनट की चिंगारी बनी बवाल की आग- सारी घटना की शुरुआत एक बेहद सामान्य विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, बोरी रखने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई। मारपीट हुई, पीड़ित पक्ष अपने घर

नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड

नौगांव- छतरपुर। रविवार की दोपहर नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड की घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला, पुलिस को भरी भीड़ में गालियां दी गईं और दो दिनों तक चक्का जाम चलता रहा-वह नौगांव के इतिहास में पहली बार हुआ। 15 मिनट की चिंगारी बनी बवाल की आग-सारी घटना की शुरुआत एक बेहद सामान्य विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, बोरी रखने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई। मारपीट हुई, पीड़ित पक्ष अपने घर चला गया। लेकिन 15 मिनट बाद कई लोग इकट्ठा होकर सीधे आरोपी के घर जा पहुंचे। वहां गाली-गलौज हुई और फिर चली गोली।जिस गोली ने एक युवक की जान ले ली, वही सवाल बन गई-क्या यह टल नहीं सकता था?

ना कानून के जानकार ने रोका, ना पीड़ित पक्ष ने सूचना दी-- मुख्य आरोपी पेशे से वकील है, कानून का

दो टूकदो टूकदो टूकदो टूकदो दो टूकदो टूकदो टूकदो टूकदो टूकदो टूक

नौगांव- छतरपुर। रविवार की दोपहर नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड की घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला, पुलिस को भरी भीड़ में गालियां दी गईं और दो दिनों तक चक्का जाम चलता रहा—वह नौगांव के इतिहास में

15 मिनट की चिंगारी बनी बवाल की आग- सारी घटना की शुरुआत एक बेहद सामान्य विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, बोरी रखने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई।

पहली बार हुआ।



चला गया। लेकिन 15 मिनट बाद कई लोग इकट्ठा होकर सीधे आरोपी के घर जा पहुंचे। वहां गाली-गलौज हुई और फिर चली गोली।जिस गोली ने एक युवक की जान ले ली, वही सवाल बन गई-क्या यह टल नहीं

ना कानून के जानकार ने रोका ना पीड़ित पक्ष ने सूचना दी-- मुख्य आरोपी पेशे से वकील है, कानून का जानकार है। लेकिन जब झगड़ा शुरू हुआ, तब न तो उसने पुलिस को सूचना दी और न ही मदद मांगी। दूसरी ओर, पीड़ित पक्ष अगर सीधा थाने पहुंच जाता, तो शायद जान बच सकती थी। इस लापरवाही की कीमत एक परिवार ने बेटे की मौत और दूसरे ने जेल की सलाखों से चुकाई।

भीड़ का आऋोश और जातीय जहर- रविवार और सोमवार, दोनों दिन लोगों का गुस्सा सड़कों पर उतरा। चक्का जाम, प्रदर्शन, नारेबाजी-यह

जातिवाद, गालियां, चक्का जाम और अब जांच के घेरे में सोशल मीडिया

नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड

नौगांव- छतरपुर। रविवार की दोपहर नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड की घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला, पुलिस को भरी भीड़ में गालियां दी गईं और दो दिनों तक चक्का जाम चलता रहा–

बन गई–क्या यह टल नहीं सकता था?

ना कानून के जानकार ने रोका, ना पीड़ित पक्ष ने सूचना दी-- मुख्य आरोपी पेशे से वकील है, कानून का जानकार है। लेकिन जब झगड़ा शुरू हुआ, तब न तो उसने पुलिस को सूचना दी और न ही मदद मांगी। दूसरी ओर, पीड़ित



वह नौगांव के इतिहास में पहली

बार हुआ।

15 मिनट की चिंगारी बनी बवाल की आग- सारी घटना की शुरुआत एक बेहद सामान्य विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, बोरी रखने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई। मारपीट हुई, पीड़ित पक्ष अपने घर चला गया। लेकिन 15 मिनट बाद कई लोग इकट्ठा होकर सीधे आरोपी के घर जा पहुंचे। वहां गाली-गलौज हुई और फिर चली गोली।जिस गोली ने एक युवक की जान ले ली, वही सवाल

पक्ष अगर सीधा थाने पहुंच जाता तो शायद जान बच सकती थी। इस लापरवाही की कीमत एक परिवार ने बेटे की मौत और दूसरे ने जेल की सलाखों से चुकाई।

भीड़ का आऋोश और जातीय जहर- रविवार और सोमवार, दोनों दिन लोगों का गुस्सा सड़कों पर उतरा। चक्का जाम, प्रदर्शन, नारेबाजी-यह सब होता

जातिसूचक गालियां दी गईं, सोशल मीडिया पर जहर उगला



दो टूक दो टूक दो टूक दो टूक दो टूक दो



दोपहर नौगांव थाना क्षेत्र के बिलहरी गांव में हुई गोलीकांड की घटना ने पूरे जिले को हिलाकर रख दिया। एक नवयुवक की मौत के बाद जिस तरह से हालात बिगड़े, जातिवादी जहर फैला, पुलिस को भरी भीड़ में गालियां दी गईं और दो दिनों तक चक्का जाम चलता रहा-वह नौगांव के इतिहास में पहली बार हुआ।

15 मिनट की चिंगारी बनी बवाल की आग- सारी घटना की शुरुआत एक बेहद सामान्य विवाद से हुई। जानकारी के अनुसार, बोरी रखने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई। मारपीट हुई, पीड़ित पक्ष अपने घर चला गया। लेकिन 15 मिनट बाद कई लोग इकट्ठा होकर सीधे आरोपी के घर जा पहुंचे। वहां गाली-गलौज हुई

और फिर चली गोली।जिस गोली ने एक युवक की जान ले ली, वही सवाल बन गई-क्या यह टल नहीं सकता था?

ना कानून के जानकार ने रोका, ना पीड़ित पक्ष ने सूचना दी-- मुख्य आरोपी पेशे से वकील है, कानून का जानकार है। लेकिन जब झगड़ा शुरू हुआ, तब न तो

उसने पुलिस को सूचना दी और न ही मदद मांगी। दूसरी ओर, पीड़ित पक्ष अगर सीधा थाने पहुंच जाता, तो शायद जान बच सकती थी। इस लापरवाही की कीमत एक परिवार ने बेटे की मौत और दूसरे ने जेल की सलाखों से चुकाई।

भीड़ का आऋोश और जातीय

दो टूक दो टूक दो टूक दो टूक दो टूक दो टूक

दो ट्रक दो ट्रक दो ट्रक दो ट्रक दो ट्रक दो ट्रक दो टूक दो टूक दो टूक दो टूक दो टूक दो ट्रक दो ट्रक दो ट्रक दो ट्रक दो ट्रक दो ट्रक दो टूक दो ट्रक दो टूक दो टूक